

निरंजन वि. (तत्.) 1. जिसने अंजन/सुर्मा, काजल न लगाया हो 2. (नेत्र) जिसमें अंजन/सुर्मा/ काजल न लगा हो 3. दोष/कलंक से रहित, सादा, निर्दोष, दोषरहित, निष्कलंक, बेदाग 4. माया आदि दोषों से रहित या माया रहित उदा. निरंजन ब्रह्म, शिव, महादेव, अविनाशी।

निरंजना स्त्री. (तत्.) 1. (हिंदू देवी-देवताओं में) दुर्गा 2. पूर्णिमा।

निरंजनी वि. (तत्.) 1. निरंजन-संबंधी, निरंजन का 2. ईश्वर के निरंजन रूप के उपासक साधुओं से संबंधित (एक संप्रदाय) निर्गुण ब्रह्म का उपासक स्त्री. (तद्.) वह आधार या पात्र जिसमें आरती के लिए दीपक जलाया जाता है, आरती।

निरंतर वि. (तत्.) 1. जिसके बीच में कोई व्यवधान, कोई रोक-टोक, बाधा न हो 2. बिना अंतर या फासले का 3. देश-काल की दृष्टि से अविच्छिन्न, जिसका क्रम टूटा न हो, अखंड, नित्य 4. स्थायी, लगातार होने वाला 5. सदा बना रहने वाला, अक्षय, सदा आँखों के सामने बना रहने वाला अव्य. 1. लगातार 2. हर समय, सदैव 3. नित्य पर्या. सतत।

निरंतरता स्त्री. (देश.) निरंतर होने का गुण, अवस्था या भाव, निरंतर बने रहना, अविच्छिन्नता, अखंडता, सातत्य, नैरंतर्य।

निरंतरता बोधक वि. (देश.) भाषा. 1. हिंदी में क्रिया के वे रंजक रूप जो क्रिया व्यापार की लंबी अवधि या बारंबारता की सूचना देते हैं उदा. करते रहना, खाते जाना, देखते चलना 2. लगातार होने की सूचना देने वाला क्रिया का रंजक रूप जैसे- वह पढ़ रहा है।

निरंतर सेवा स्त्री. (तद्.) 1. किसी संस्था, संगठन, निकाय आदि में लगातार अविच्छिन्न रूप से की गई सेवा टि. कई बार इस प्रकार की सेवा की कुल अवधि, व्यक्ति के पद, वेतनमान आदि को आधार बनाकर, सेवानिवृत्ति पर उसे पेंशन आदि के रूप में कतिपय लाभ मिलते हैं 2. किसी मशीन आदि के संबंध में विक्रेता

द्वारा मशीन में कभी भी खराबी होने पर उसे दूर करने का आश्वासन।

निरंबर वि. (तत्.) निर्वस्त्र, दिगंबर, नग्न।

निरंबु वि. (तत्.) 1. जिसमें पानी न हो, जलहीन 2. जो बिना पानी पिए रहता हो या रह सकता है 3. ऐसा (अनुष्ठान) जिसमें पानी न पिया जाता हो, निर्जल।

निरंश वि. (तत्.) 1. समूचा, संपूर्ण 2. वह जो पैतृक संपत्ति में से कुछ भी भाग पाने का अधिकारी न हो 3. जिसे अपना अंश प्राप्त न हुआ हो, जो अपने भाग से वंचित रह गया हो।

निरक्ष वि. (तत्.) 1. बिना पासे का 2. जो पृथ्वी के मध्य भाग में हो पुं. पृथ्वी की विषुवत् रेखा, वह काल्पनिक रेखा जो पृथ्वी के उत्तरी ध्रुव और दक्षिणी ध्रुव से समान दूरी पर पृथ्वी के मध्य में हो।

निरक्षर वि. (तत्.) 1. अशिक्षित, अनपढ़, जो बिल्कुल पढ़ा-लिखा न हो, अनपढ़ 2. गँवार, मूर्ख 3. जिसमें अक्षर का प्रयोग न हुआ हो।

निरक्षरता स्त्री. (तद्.) निरक्षर होने की अवस्था, भाव, अनपढ़पन।

निरखना स.क्रि. (तद्.) 1. निरीक्षण करना 2. ध्यान से देखना 3. चितवन, ताकना।

निरगुण वि. (तद्.) 1. जिसमें कोई गुण/अच्छाई न हो 2. जिसमें सत्, रज और तम नामक तीनों में से कोई गुण न हो, त्रिगुणरहित पुं. (तद्.) त्रिगुणरहित, परमात्मा, निर्गुण।

निरग्नि वि. (तद्.) वेदों में बताए गए होम, अग्निहोत्र को न करने वाला।

निरघ वि. (तत्.) जिसने कोई पाप न किया हो, निष्पाप, अनघ, निर्दोष, पापरहित, निष्कलुष, पवित्र।

निरत वि. (तद्.) 1. किसी कार्य में तल्लीन हुआ, तत्पर, नृत्यरत 2. प्रसन्न, विश्रान्त।